चुनौतियों से निपटने राष्ट्रों के बीच सहयोगात्मक प्रयास जरूरी : प्रो. पुप्पिम

आईआईएम रायपुर में छठे ब्रिक्स विकास और शासन सम्मेलन का शुभारंभ

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

आईआईएम रायपुर में बुधवार को छठे ब्रिक्स विकास और शासन सम्मेलन में ब्राजील से आए अतिथि वक्ता प्रो. जोस ए. पुप्पिम ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोगात्मक प्रयास जरूरी है। वहीं भारत सरकार डीएआरपीजी के सचिव वी. श्रीनिवास के मुख्य भाषण में नागरिक भागीदारी बढ़ाने, शिकायत निवारण तंत्र में सुधार और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ावा देने के लिए पहल और सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ई-गवर्नेंस, प्रशासनिक सुधारों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में दक्षता के महत्व पर जोर दिया, जिसका लक्ष्य अंततः नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण है।

कार्यक्रम की शुरुआत में आईआईएम रायपुर के निर्देशन के सभी का स्वागत करते हुए सभी लोगों से बौद्धिक सहयोग और निर्णय लेने के लिए सम्मेलन की क्षमता को बढ़ाने का आग्रह किया। डॉ. आशापूर्णा बरुआ ने अपनी परिचयात्मक टिप्पणी में आयोजकों, प्रोफेसरों और भारत सरकार को उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

युवा विद्वानों के लिए चुनौतियों पर चर्चा

प्रथम पैनल डिजिटल प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी क्षमता, समावेशन और कुशल सेवा वितरण की चुनौतियों और ब्रिक्स देशों में डेटा को मापने और विश्लेषण करने के मानकीकृत तरीकों की आवश्यकता पर केंद्रित रही। दूसरे पैनल चर्चा में ब्रिक्स में युवा विद्वानों के लिए चुनौतियों और अवसर विषय पर प्रो. जोस ए. पुप्पिम ने विचार रखे। कांचरापाड़ा कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. शाश्वत गुहा ने बौद्धिक बाधाओं को तोड़ने पर जोर दिया, जबकि विकास अध्ययन केंद्र के पापैया कोप्पुला ने भारत में सहयोग के अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की। बिट्स पिलानी की सुश्री प्रतीक्षा गोपीनाथ ने हाशिये पर पड़े समूहों को समर्थन देने की वकालत की, और सुश्री शुयु वांग, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड पब्लिक अफेयर्स, चीन ने अंतर-राष्ट्रीय संचार में चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

Navbharat,My City,07 March 2024,P.02